

प्रेषक,

सुवर्द्धन,  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन।

सेवा में,

निदेशक,  
संस्कृति निदेशालय,  
उत्तराखण्ड।

संस्कृति अनुमान :

देहरादून दिनांक २८ मार्च, 2008

विषय :—राज्य अभिलेखागार के कार्मिकों को अन्य भूतों का भुगतान।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक आपके पत्र संख्या-2693/सं.निउ./2-3/2007-08 दिनांक-20-3-08 के काग में मुद्रा यह कहने का निदेश हुआ है कि उपर्युक्त विषयक प्रकरण में रु0 9.00 हजार (रु0 नौ हजार मात्र) पुनर्विनियोग के माध्यम से निम्न शर्त एवं प्रतिवंधों के अधीन निमानुसार एवं संलग्नक-क के अनुसार आपके निवर्तन पर रखते हुए व्यय किए जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं।

2. उपरोक्त आवंटित धनराशि का उपयोग केवल उन्हीं मदों में किया जायेगा, जिन मदों में यह स्वीकृत किया जा रहा है। यहां यह भी स्पष्ट किया जाता है कि धनराशि का आवंटन किरी ऐसे व्यय को करने का अधिकार नहीं देता है, जिससे व्यय करने के लिए बजट मैनुअल या वित्तीय हरत पुस्तिका के नियमों या अन्य आदेशों के अधीन व्यय करने से पूर्व सक्षम अधिकारी की स्वीकृति प्रदान करना आवश्यक है। ऐसे व्यय सम्बन्धित अधिकारी की स्वीकृति प्राप्त कर ही किया जाना चाहिए। स्वीकृत व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है।

3. किसी भी मद में व्यय से पूर्व वित्तीय हस्त पुस्तिका, बजट मैनुअल, भण्डार कय नियम तथा मितव्ययता सम्बंधी समय-समय पर निर्गत शासनादेशों का कडाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाए।

4. समस्त वित्तीय नियमों का अनुपालन सुनिश्चित किया जायेगा, तथा किसी भी विन्दु पर स्थिति स्पष्ट न होने पर तत्काल शासन को अवगत कराया जायेगा।

5. उपरोक्त व्यय निमानुसार पुनर्विनियोग के माध्यम से प्राविधानित धनराशि से वहन किया जायेगा :—

वित्तीय वर्ष 2007-08 के अनुदान संख्या-11-2205-कला एवं संस्कृति-00-104-अभिलेखागार-03-राज्य अभिलेख-00-01-वैतन मानक मद के आयोजनागत पक्ष में हो रही बचतों से रु0 9.00 हजार मात्र (रु0 नौ हजार मात्र) अनुदान संख्या-11 के लेखाशीर्षक-2205-कला एवं संस्कृति-00-104-अभिलेखागार-03-राज्य अभिलेख-00-06-अन्य भूतों मानक मद के आयोजनेत्तर पक्ष में पुनर्विनियोग के माध्यम से पक्ष में रथानान्तरित करते हुए किया जायेगा। उपरोक्त पुनर्विनियोग संलग्न 'क' के कालम-1 के बचतों से वहन किया जायेगा।

6. उक्त आदेश वित्त विभाग के अशासकीय पत्र संख्या— 536 (एन.पी.) / वित्त अनु०-३ / 2008 दिनांक—26 मार्च 2008 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किए जा रहे हैं।  
संलग्नक—यथोपरि।

महाराष्ट्र  
राज्य

(सुवर्द्धन)  
अपर सचिव

पृष्ठांकन संख्या— 178 / VI-I / 2008-2(19)07 तददिनांकित।

प्रतिलिपि :— निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, वैभव पैलेस, सी-१ / 105 इन्दिरा नगर, देहरादून।
2. निजी सचिव, मा० मुख्यमंत्री जी / मा०मंत्री जी उत्तराखण्ड शासन।
3. वित्त (व्यय नियंत्रण) अनुभाग-३, उत्तराखण्ड देहरादून।
4. वरिष्ठ कोषाधिकारी, देहरादून।
5. बजट राजकोषीय नियोजन व संराधन निदेशालय सचिवालय, देहरादून।
6. एन०आई०सी० देहरादून।
7. गार्ड फाइल।

आज्ञा से,

(एस०एस०वल्दिया)  
उप सचिव

नियन्त्रण अधिकारी—निदेशक, सरकृति निदेशालय।  
संख्या—

बी०एम०-१५  
पुनर्विनियोग २००७-०८ विवरण पत्र  
प्रशासनिक विभाग—सरकृति विभाग, उत्तराखण्ड शासन

देहरादून दिनांक

(धनराशि हजार रुपये में)

आयोजनात्मक		प्राप्तविनियोग का विवरण	प्राप्तविनियोग के बाद स्थानम्-१	प्राप्तविनियोग के बाद स्थानम्-२	दिपाणी	
संजट प्राप्तिकान तथा लेखाशोर्धक का विवरण	नामक नदवार आव्यावधिक व्याप	विवरण का के रोप अवधि में अनुमानित व्याप	अवशेष संरक्षणसे धनराशि	लेखाशोर्धक जिसमें धनराशि स्थानान्तरित किया जाना है। स्थानान्तरित को अद्योष कुल कल धनराशि	प्राप्तविनियोग के बाद स्थानम्-५ को अद्योष कुल कल धनराशि	
१	२	३	४	५	६	
अनुदान संख्या-१। २२०५—कला एव संस्कृति ००— १०४—अग्रिलेखागार ०३—राज्य अग्रिलेख ००— ०१—वेतन	४९८ ६५०	४९८ —	अनुदान संख्या-१। २२०५—कला एव संस्कृति ००— १०४—अग्रिलेखागार ०३—राज्य अग्रिलेख ००— ०१—वेतन	४९८ — १५२	४९८ — १५२	४९८ — १५२
पोगा	६५०	४९८	—	१५२	४९८	

प्रमाणित किया जाता है कि प्राप्तविनियोग ते वजट नेतृत्वाल के परियोद ५०, १५५, १५६ से प्राप्तिकान का उल्लंघन नहीं होता है।

✓  
(उत्तराखण्ड)  
अपर सचिव

उत्तराखण्ड शासन  
बिल (व्यय नियन्त्रण) अनुमान-3  
संख्या-536/भृत्यू अनुमान-3/2008  
देहरादून दिनांक 25 अक्टूबर 2008  
पुनर्विनियोग स्वीकृत

संगा में

महालेखाकार

उत्तराखण्ड, देहरादून।

दिनांक

मात्रा-

ग्रन्ति

नियन्त्रिति

नियन्त्रण

संस्थाती

नियन्त्रण

उत्तराखण्ड

संघ

(एल० एम० पन्त)  
अपर सचिव/वित्त  
उत्तराखण्ड शासन

आज्ञा से  
  
(एस०एस० वॉल्टर्या)  
ज्ञ सचिव।